

दुधारू पशु के थनों की देखभाल हेतु युक्तियाँ

डॉ. ममता, डॉ. अजय कुमार, डॉ. रजनीश सिरोही एवं डॉ. विशाखा गौर

पशुधन उत्पादन प्रबन्धन विभाग, दुवासू, मथुरा

दूध उत्पादन के लिए बनाई गई एक विशेष संरचना होता है गाय का थन। इसकी देखभाल से पूर्व इसकी संरचना का भी थोड़ा ज्ञान होना चाहिए। यहां इसकी संरचना का विवरण दिया गया है। आनुवंशिकी, उम्र और स्वास्थ्य जैसे कारकों के आधार पर गाय के थन की संरचना थोड़ी भिन्न हो सकती है। यह विशिष्ट अंगो चार अलग-अलग डिब्बों से बना है, प्रत्येक में एक स्तन ग्रंथि होती है।

स्तन ग्रंथियाँ: थन के प्रत्येक भाग में एक स्तन ग्रंथि होती है। ये ग्रंथियां दूध उत्पादन के लिए जिम्मेदार होती हैं। एक परिपक्व गाय में आमतौर पर चार स्तन ग्रंथियाँ होती हैं, हालाँकि कभी कभी इस संख्या में भिन्नता हो सकती है।

टीट्स/चूचक: प्रत्येक स्तन ग्रंथि का अपना टीट होता है, जो इसका बाहरी द्वार होता है, जिसके माध्यम से दूध दुहने के दौरान दूध बाहर निकलता है। चूचक अक्सर लम्बे होते हैं और गाय की नसल के आधार पर आकार में भिन्न हो सकते हैं।

वाहिनी प्रणाली: प्रत्येक स्तन ग्रंथि के भीतर, एक जटिल वाहिनी प्रणाली होती है। यह प्रणाली दूध को एल्वियोली (दूध पैदा करने वाली कोशिकाओं) से थन नलिका तक पहुंचाती है। जैसे-जैसे वे थन नलिका की ओर बढ़ते हैं, ये छोटी नलिकाएं बड़ी नलिकाओं में परिवर्तित हो जाती हैं।

एल्वियोली: एल्वियोली स्तन ग्रंथि के भीतर छोटी थैली होती हैं जहां दूध का संश्लेषण होता है। वे रक्त वाहिकाओं से घिरे होते हैं और दूध के उत्पादन और स्राव के कार्य करते हैं।

सस्पेंसरी लिगामेंट्स: ये थन के भीतर सहायक संरचनाएं हैं जो इसके आकार और स्थिति को बनाए रखने में मदद करती हैं। वे थन को शरीर की से जोड़े रखते हैं।

रक्त और लसीका आपूर्ति: थन को प्रचुर रक्त आपूर्ति प्राप्त होती है, जो दूध उत्पादन के लिए आवश्यक पोषक तत्व और ऑक्सीजन प्रदान करती है। लसीका वाहिकाएं भी थन से अतिरिक्त तरल पदार्थ निकालने में भूमिका निभाती हैं।

नसें: नसें थन में प्रवेश करती हैं, संवेदी प्रतिक्रिया प्रदान करती हैं और दूध दुहने के दौरान दूध के निकलने या रिसाव को नियंत्रित करती हैं।

गाय के थन उनके शरीर के सबसे महत्वपूर्ण भागों में से एक हैं। वे दूध का उत्पादन करते हैं और अपने बच्चों के पोषण में मदद करते हैं। इसलिए, उनकी देखभाल करना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि वे स्वच्छ और स्वस्थ हों। इस सम्बन्ध में कुछ सुझाव इस प्रकार हैं -

दूध दोहने से पहले थनों को साफ करें

सबसे पहली चीज जो आपको करनी चाहिए वह यह है कि दूध निकालने से पहले हमेशा अपनी गाय के थनों को साफ करें। गाय के थनों को साफ करना कोई जटिल कार्य नहीं है। उन्हें धोकर किसी साफ कपड़े या टिसू पेपर का उपयोग कर पोंछना पर्याप्त होता है। जो एक सुरक्षित उपाय है और इसमें कोई हानि या कोई अतिरिक्त लागत नहीं लगती है। अपनी गाय के थनों को धोने के बाद , उन्हें अच्छी तरह से के बाद ये भी सुनिश्चित करें कि अपने हाथों को धोकर कीटाणुरहित करें। थनों को सुखाने से थन के कर्पों में दूषित पानी के रिसने के खतरे को कम करने में मदद मिलती है।

थनों में चोट लगने की संभावनाओं को कम करें

गाय के थनों के आकार और स्थिति के कारण चोट लगने का खतरा रहता है। इसलिए चोट के जोखिम को यथासंभव सीमित करना महत्वपूर्ण है। उनके निपल्स /चूचक, दूध निकालने वाली मशीनों पर , उनके अपने खुरों से और उनके खलिहान पर टकराने से घायल हो सकते हैं।

इन चोटों को रोकने का एक तरीका यह है कि गाय को रहने के लिए आरामदायक बिछावन के साथ साफ जगह उपलब्ध कराई जाए। थनों को खरोंचने के जोखिम को कम करने के लिए आपको उनके खुरों को भी काटकर रखना चाहिए। यदि आपकी गाय अपने थनों को घायल कर देती है , तो घाव का शीघ्र और सावधानी से उपचार करें।

थनों के स्वास्थ्य की निगरानी करें

गाय के थनों की सुरक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात जो आप कर सकते हैं , वह है नियमित रूप से स्वास्थ्य समस्याओं के लिए उनकी निगरानी करना। अपनी गाय की जांच करते समय ध्यान रखने योग्य कुछ सबसे सामान्य बातों का ध्यान रखें:

थनैला- थनैला स्तन ग्रंथियों का संक्रमण होता है और प्रायः यह थनों की सबसे आम समस्या है पशुपालक को जिसका सामना करना पड़ सकता है। थनैला को रोकने में मदद के लिए, यह सुनिश्चित करें कि गायों को किसी भी कीचड़ या नमी से दूर साफ , सूखे क्षेत्र में रखा जाए। यह सर्दियों के दौरान विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता है।

थनों का अवरुद्ध होना - थनों का अवरुद्ध होना कई कारणों से हो सकता है और इसके परिणामस्वरूप दूध का उत्पादन सीमित या बिल्कुल खत्म हो सकता है। यह थनैला, चोट या किसी आनुवंशिकी कारण से हो सकता है।

थनों के घाव- थन के घाव सामान्य घाव हैं जो तब हो सकते हैं जब बैक्टीरिया और नमी थन के दोनों हिस्सों के बीच फंस जाते हैं। इससे त्वचा संबंधी समस्याएं , घाव या फंगल संक्रमण हो सकता है। यह विशेष रूप से जन्म के बाद पहले तीन महीनों में ज्यादा पाया जाता है। बैक्टीरिया में यह वृद्धि थनैला का कारण बन सकती है। थन के घावों को रोकने में मदद के लिए , अपनी गाय के क्षेत्र को साफ रखें और सुनिश्चित करें कि आप नियमित रूप से उनके स्तनों की निगरानी करें और किसी भी संक्रमण का यथाशीघ्र इलाज करें।

दूध उत्पादन, गाय के समग्र स्वास्थ्य और आपके पशुधन के भविष्य के लिए थनों का स्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। दूध उत्पादन को बनाए रखने और थनैला जैसी बीमारियों को रोकने के लिए थन की उचित देखभाल और स्वच्छता आवश्यक है। गाय के थनों को नियमित रूप से साफ करके , दूध दोहने से पहले और बाद में उन्हें साफ करके , चोटों के जोखिम को कम करके और उनके स्वास्थ्य की निगरानी करने के माध्यम से उनका स्वास्थ्य सुनिश्चित करें।